बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-२ ला अंक-६० वा गुरूवार ४ दिसंबर २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
# तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

Residence :
502, Swarna Jayanti Deluxe Apartments
Dr B.D. Road, Near Talkatora Road
New Delhi - 110001
Email: rajanipatil.mprs@sansad.nic.in

सत्यमेव जयते

"SHIVNERI"
At & Post - Kaij, District Beed
Maharashtra - 431123, Mob: 9767122900
Contact : +91 - 9881385353, 9422242222
Email : rajanipatiloffice@gmail.com

*Rajani Patil*
Member of Parliament (Rajyasabha)

Date: - 03/12/2025

माननीय श्री किरण रिजिजू जी
अल्पसंख्यक कार्य मंत्री,
भारत सरकार,

उमीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों की प्रविष्टि हेतु अंतिम तिथि बढ़ाए जाने के संबंध में निवेदन**

मान्यवर ,

सविनय निवेदन यह है कि देशभर की वक्फ संस्थाओं एवं उनकी संपत्तियों का ऑनलाइन पंजीकरण'उमीद'पोर्टल के माध्यम से अनिवार्य रूप से कराया जा रहा है। परंतु पिछले आठ दिनों से पोर्टल में गंभीर तकनीकी व्यवधान,सर्वर डाउन, रिकॉर्ड अपलोड करते समय वेबसाइट क्रैश होने जैसी लगातार समस्याएँ सामने आ रही हैं। इसके कारण महाराष्ट्र सहित अनेक राज्यों में अपलोडिंग का कार्य लगभग ठप पड़ गया है।

मान्यवर, वर्तमान में पोर्टल पर रिकॉर्ड दर्ज करने की अंतिम तिथि 05 दिसंबर 2025 निर्धारित है,जबकि - वक्फ बोर्डों के अनुसार अब तक 45,116 संपत्तियाँ ही अपलोड हो सकी हैं। इनमें से अनेक रिकॉर्ड मेकर, चेकर और अप्रूवर स्तरों पर अटके हुए हैं। कई संपत्तियाँ त्रुटियों सहित सिस्टम में अटक रही हैं और प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है।
पंजाब, हरियाणा, दिल्ली जैसे राज्यों में भी भारी संख्या में रिकॉर्ड अपलोड होना शेष है।
पोर्टल के तकनीकी ढाँचे, सर्वर क्षमता तथा डिज़ाइन की कमियों के चलते संस्थाओं के लिए निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी रिकॉर्ड अपलोड करना practically अत्यंत कठिन हो गया है।

मान्यवर,वक्फ संपत्तियों का संरक्षण और सही पंजीकरण हम सभी का राष्ट्रीय दायित्व है। परंतु पोर्टल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कार्य निर्धारित समय के भीतर संभव नहीं है। यदि अंतिम तिथि में वृद्धि नहीं की जाती, तो अनेक संस्थाओं के रिकॉर्ड अधर में रह जाएंगे,जिससे भविष्य में अनावश्यक विधिक जटिलताएँ उत्पन्न होने की संभावना है।
**अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि—
उमीद' पोर्टल पर वक्फ संस्थाओं एवं संपत्तियों की प्रविष्टि के लिए निर्धारित 05 दिसंबर 2025 की अंतिम तिथि को उचित अवधि तक बढ़ाया जाए*,ताकि देशभर की सभी संस्थाएँ अपने रिकॉर्ड सही रूप से अपलोड कर सकें और यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया सुचारु रूप से पूर्ण हो सके।
आपकी कृपा हेतु हम सभी संस्थाएँ कृतज्ञ रहेंगी।

सधन्यवाद,

रजनी पाटील
(खासदार राज्यसभा)

# 'उम्मीद' पोर्टल ने तोड़ीं उम्मीदें; तकनीकी खराबी से वक्फ संपत्तियों की रिकॉर्डिंग खतरे में

## डेडलाइन ५ दिसंबर, रिकॉर्डिंग अधर में, पूरी सिस्टम ही ढह गई

**छत्रपति संभाजी नगर (औरंगाबाद)**

**संवाददाता। देश भर में वक्फ संस्थाओं और संपत्तियों को अपलोड करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'उम्मीद' पोर्टल का बुरा हाल हो गया है। पिछले आठ दिनों से पोर्टल अचानक बंद हो जाना, संपत्ति अपलोड करते समय तकनीकी खराबी के कारण वक्फ बोर्ड की पूरी व्यवस्था ही चरमरा गई है। इससे महाराष्ट्र सहित देश के कई राज्यों के वक्फ संस्थाओं के मुतवल्ली और जिम्मेदार लोगों को भारी मानसिक तनाव झेलना पड़ रहा है। अन्य राज्यों के वक्फ बोर्डों ने भी उम्मीद सपोर्ट टीम को सैकड़ों शिकायतें कीं, लेकिन पोर्टल की त्रुटियां दूर नहीं हो रही हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि संस्था/संपत्ति अपलोड करने के लिए अब सिर्फ दो दिन बाकी हैं।**

अधिकारियों के अनुसार यह पोर्टल आम तौर पर रात २ से ५ बजे के बीच कुछ मिनटों के लिए ही सक्रिय होता है और थोड़ी देर में ही क्रैश हो जाता है या सर्वर डाउन हो जाता है। कई बार पूरा फॉर्म भरने के बाद 'डीलाळीं' बटन दबाते ही वेबसाइट बंद हो जा रही है।

महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि अब तक पोर्टल पर ४५,११६ वक्फ संपत्तियां अपलोड की जा चुकी हैं। इनमें से मेकर्स द्वारा २७,०२८ और चेकर्स द्वारा ७,५३५ संपत्तियां फाइनल की गई हैं। कई संपत्तियों में त्रुटि पाए जाने के कारण २,६३४ संपत्तियां रिजेक्ट की गई हैं। अभी कुछ हद तक काम चल रहा था, लेकिन आखिरी चरण में एक बार फिर गंभीर तकनीकी खराबी शुरू हो गई है।

डिजाइन घटिया, कोई जवाब नहीं

महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड के अधिकारियों ने इसे अत्यंत चिंताजनक बताया है। उनके अनुसार, पोर्टल का डिजाइन बेहद खराब है। सत्यापन के तीन चरण हैं - मेकर, चेकर और अप्रूवर। कई बार अप्रूवर होने के बावजूद संपत्ति हमारे पास नहीं पहुंचती और सिस्टम में अटकी रहती है। इसके लिए बोर्ड के ऑपरेटर लगातार पोर्टल चलाने वाली प्राइवेट कंपनी को ईमेल कर रहे हैं, लेकिन कोई जवाब नहीं मिल रहा।

डेडलाइन बढ़ाने की मांग

महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड के चेयरमैन समीर काजी ने साफ कहा, अगर सरकार सचमुच इन संपत्तियों की सुरक्षा करना चाहती है तो डेडलाइन बढ़ानी जरूरी है, वरना हर संपत्ति का मामला अदालत में चला जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, हमारा प्रशासनिक ढांचा बेहद सक्षम है। हमने बोर्ड की पूरी मशीनरी लगा रखी है। हमें पूरा भरोसा है कि अगर पोर्टल सुचारु रूप से चले तो हम सारी संस्थाएं और संपत्तियां अपलोड कर लेंगे।

दूसरे राज्यों की स्थिति भी गंभीर

पंजाब वक्फ बोर्ड के करीब २६,००० संपत्तियों में से सिर्फ १२,००० ही अपलोड हो पाई हैं, बाकी १४,००० अपलोड करना कर्मचारियों के लिए असंभव हो गया है।

हरियाणा में १२,००० से ज्यादा संपत्तियां हैं, कर्मचारी आखिरी ३०० एंट्री पूरी करने के लिए जूझ रहे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली वक्फ बोर्ड की कुल २,२५० संपत्तियों में से अभी भी ६५० एंट्री बाकी हैं।

बोर्ड की व्यवस्था सक्षम है, पोर्टल सुचारु रहा तो सारा काम पूरा कर लेंगे

- समीर काजी, अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य वक्फ मंडल

महाराष्ट्र के साथ-साथ देश के कई राज्यों में उम्मीद पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाने की शिकायतें आ रही हैं। इस बारे में राज्य वक्फ मंडलों ने उम्मीद सपोर्ट टीम को बार-बार मेल किए हैं। मैंने खुद पोर्टल चलाने वाली एजेंसी के जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क किया है। उन्होंने तकनीकी दिक्कतों का हवाला दिया है। हम लगातार संपर्क में हैं, लेकिन पिछले आठ दिनों से खराबी दूर नहीं हो रही, जिससे वक्फ व्यवस्था को भारी परेशानी हो रही है। हमें उम्मीद है कि जल्द ही त्रुटियां दूर हो जाएंगी। हमारी पूरी टीम दिन-रात लगी हुई है। पोर्टल सुचारु और आसानी से चले तो हम सारी संस्थाएं/संपत्तियां अपलोड कर लेंगे।

उम्मीद पोर्टल का सफर वक्फ कानून की धारा 'ब' के तहत ०८-०४-२०२५ से पहले रजिस्टर्ड वक्फ संस्थाओं को ०६-०६-२०२५ से अगले छह महीने यानी ०५ दिसंबर २०२५ तक पोर्टल पर अपलोड करने की मोहलत दी गई थी। बीच में पोर्टल में कई खामियां होने से तीन महीने तक सुधार किए गए। सितंबर में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मुतवल्लियों का स्टे संबंधी भ्रम दूर हुआ और अक्टूबर से अपलोड का काम तेजी से शुरू हुआ। सभी राज्य वक्फ बोर्डों ने अतिरिक्त स्टाफ लगाकर रात-दिन काम किया। बीच में कुछ दिन पोर्टल सुचारु चला, लेकिन फिर से खराबी शुरू हो गई।

## दैनिक तामीर की ओर से बीड के माननीय सांसदों का ध्यान आकर्षित करते हुए अपील

### बीड लोकसभा सांसद श्री बजरंग सोनावने तथा राज्यसभा सांसद डॉ. रंजना ताई पाटिल

माननीय सांसद महोदय/महोदया,

वर्तमान में दिल्ली में संसद का शीतकालीन अधिवेशन चल रहा है। पूरे देश में, खासकर महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि राज्यों में 'उम्मीद' वक्फ पोर्टल पूरी तरह से तकनीकी खराबी की चपेट में है। ५ दिसंबर २०२५ की डेडलाइन महज दो दिन दूर है, लेकिन पोर्टल पिछले ८-१० दिनों से लगातार क्रैश हो रहा है, सर्वर डाउन रहता है और लाखों वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन अधर में लटक गया है।

महाराष्ट्र में ही अभी भी हजारों मस्जिदें, कब्रस्तान, मदरसे, इदगाह और दर्गाह जैसी धार्मिक-सामाजिक संपत्तियां अपलोड नहीं हो पाई हैं। यदि ये संपत्तियां समय पर रजिस्टर्ड नहीं हुईं तो कानूनी रूप से वे सरकार की संपत्ति घोषित हो सकती हैं और आने वाली पीढ़ियों का हक छिन सकता है।

यह किसी एक दल या समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश की अल्पसंख्यक समुदाय की

सदियों पुरानी धरोहर बचाने का सवाल है।

इसलिए दैनिक तामीर आप दोनों माननीय सांसदों से विनम्र लेकिन दृढ़ अनुरोध करता है कि:

आप तुरंत प्रभाव से संसद में मौजूद केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलात मंत्री श्री किरण रिजिजू जी से व्यक्तिगत रूप से मिलें और उनसे 'उम्मीद' पोर्टल की डेडलाइन कम से कम ३-६ महीने बढ़ाने की मांग करें। साथ ही पोर्टल की तकनीकी खराबी को तुरंत ठीक करवाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करें।

यह एक सामाजिक, धार्मिक और संवैधानिक दायित्व का काम है। बीड जिले के लाखों लोग आप दोनों से यही उम्मीद लगाए बैठे हैं। आपकी त्वरित पहल से न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश की वक्फ संपत्तियां बचाई जा सकेंगी।

जय हिंद।
सादर,
संपादक
दैनिक तामीर, महाराष्ट्र।

# नक़ली आईएएस कल्पना भागवत के कारनामों की एटीएस के साथ आईबी द्वारा भी जांच; सांसद, पूर्व कुलपति सहित कई को दिया धोखा

जमीर काजी
मुंबई:

आईएएस अधिकारी बनकर जासूसी करते हुए कई लोगों को धोखा देने वाली कल्पना भागवत के कई कारनामे सामने आ रहे हैं। उसके कारनामों की स्थानीय पुलिस के साथ ही दहशतवाद विरोधी दस्ता (एटीएस) और आईबी जैसी जांच एजेंसियों द्वारा जांच शुरू हो गई है।

ठग कल्पना भागवत ने एक सांसद के साथ एक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति को भी बड़ा धोखा दिया है।

उसने कई राजनीतिक नेताओं को राज्यसभा की सदस्यता तो कुछ को पद्मश्री दिलवाने का लालच देकर करोड़ों रुपये ऐंठे हैं, ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है।

छत्रपति संभाजीनगर पुलिस ने कल्पना भागवत को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया है। यह नक़ली महिला आईएएस अधिकारी बनकर छह महीने से पंचतारा होटल में रह रही थी। उसके मामले में संदिग्ध बातें सामने आई हैं। उसके दिल्ली बम विस्फोट से संबंध होने का संदेह व्यक्त किया जा रहा है। उसके बैंक खाते के विवरण से विरोधाभासी जानकारी सामने आ रही है। कल्पना भागवत की एटीएस, आईबी जैसी जांच एजेंसियां जांच कर रही हैं, ऐसी जानकारी पुलिस उपायुक्त प्रशांत स्वामी ने दी है।

कल्पना भागवत ने राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. शहाबुद्दीन पठाण की ठगी की है। इस जांच के अनुसार, उसने आईएएस अधिकारी बनकर शहाबुद्दीन पठाण से मुलाकात की। इस मुलाकात में उसने कई लोगों की पहचान बताई थी। इसलिए उस पर भरोसा हो गया, डॉ. पठाण ने बताया। उसने कुछ पैसे लिए हैं, ऐसा बयान डॉ. पठाण ने मंगलवार रात को दिया।

भागवत ने कई राजनीतिक लोगों को ठगा है, ऐसा जांच में सामने आया है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के हिंगोली के सांसद नागेश पाटिल अष्टेकर से भी एक लाख रुपये का धोखा किया है। इस मामले में सांसद अष्टेकर ने बताया कि, हम राजनीतिक नेता हैं और एक मंदिर के लिए एक लाख रुपये की मदद मांगी थी। स्थानीय पुलिस ने उसके संपर्क में रहने वाले केंद्रीय मंत्री के ओएसडी बनने वाले डिम्पी देवेंद्रकुमार हरजाई और उसके अफगानी दोस्त अशरफ की सख्ती से पूछताछ शुरू की है। तीनों कैसे संपर्क में रहते थे? कितनी बार मिले? अशरफ ने अपना भाई गिल को कल्पना के संपर्क में क्यों लाया? इसके पीछे उसका उद्देश्य क्या था? इन सवालों के जवाब जांच एजेंसी ढूंढ रही है। इस मामले की आगे जांच कर रहे हैं, ऐसी जानकारी पुलिस उपायुक्त प्रशांत स्वामी ने दी।

# हिवाळी अधिवेशन ८ से १४ दिसंबर तक नागपुर में होगा

## विधानमंडल कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में निर्णय

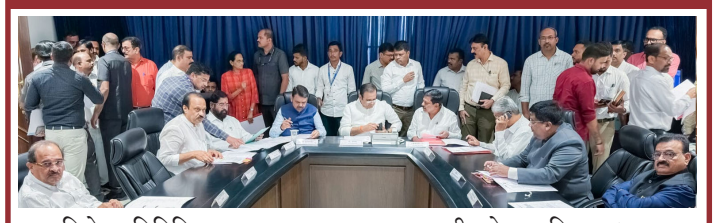

विशेष प्रतिनिधि
मुंबई :

महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन अधिवेशन ८ से १४ दिसंबर तक नागपुर में होगा। १३ और १४ दिसंबर को शासकीय अवकाश के बावजूद दोनों सदनों की कार्यवाही चलाने का निर्णय विधानमंडल कार्य मंत्रणा समिति की बुधवार को हुई बैठक में लिया गया।

यह बैठक विधान भवन में हुई थी। बैठक में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष एड. राहुल नार्वेकर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरे, विधानसभा के उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे, संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जलसंपदा मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटील, सांस्कृतिक कार्य मंत्री एड. आशीष शेलार, विधानसभा सदस्य सुधीर मुनगंटीवार, दीपक केसरकर, जितेंद्र आव्हाड, भास्कर जाधव, सुनील प्रभु, अमीन पटेल, विधान परिषद सदस्य अनिल परब, प्रसाद लाड, प्रवीण दरेकर, विक्रम काले, सतेज पाटील, विधानमंडल के सचिव जितेंद्र भोले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। भारत के संविधान की गौरवशाली अमृत महोत्सवी यात्रा के इस ऐतिहासिक अवसर पर २६ मार्च २०२५ को विधानसभा में हुई चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने जो जवाब दिया था, उसके भाषण का पुस्तक रूप में संकलन महाराष्ट्र विधानमंडल वि.स. पांगे संसदीय प्रशिक्षण केंद्र के नेतृत्व में तैयार किया गया है। इस पुस्तक का विमोचन मंगलवार (दि.९) को राज्यपाल आचार्य देवव्रत के हाथों होगा, यह जानकारी विधानसभा अध्यक्ष एड. राहुल नार्वेकर ने इस अवसर पर दी।

# रेलवे काम में तेजी; बीड-वडवणी मार्ग पर दौड़ेगा इंजन

## रेलवे ट्रैक से दूर रहने की सांसद बजरंग सोनवाने की अपील

बीड: अहमदनगर-बीड-परली रेलवे प्रोजेक्ट को तेजी मिल रही है और बीड तक ट्रेनें चलने लगी हैं। अब बीड से वडवणी रेलवे मार्ग पर इंजन की टेस्टिंग होने वाली है। यह टेस्टिंग ६ दिसंबर को होगी। इस दौरान नागरिकों से रेलवे ट्रैक से दूर रहने और सतर्क रहने की अपील सांसद बजरंग सोनवाने ने की है।

अहमदनगर-बीड-परली नई ब्रॉडगेज लाइन के काम में तेजी आने के बाद अब बीड-वडवणी सेक्शन पर इंजन ट्रायल और सीआरएस (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) निरीक्षण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मध्य रेलवे के पुणे मंडल ने इसका आधिकारिक समय-सारणी जारी कर दी है और ट्रैक के आसपास सुरक्षा का सख्त पालन करने की अपील की है।

नए बने ट्रैक पर ६ दिसंबर २०२५ को इंजन ट्रायल होगा। इसके बाद १० और ११ दिसंबर को रेलवे सुरक्षा आयुक्त गहन निरीक्षण और हाई-स्पीड ट्रायल करेंगे। सुबह १० बजे से शाम ६ बजे तक ट्रेन हाई स्पीड में दौड़ेगी, इसलिए आसपास के नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

बीड-वडवणी क्षेत्र के ग्रामवासियों, किसानों, पशुपालकों, रास्ता इस्तेमाल करने वालों, ग्राम पंचायतों और सरपंचों से रेलवे प्रशासन को पूरा सहयोग करने की अपील सांसद बजरंग सोनवाने ने की है। ट्रायल में किसी भी तरह की रुकावट न आए, इसलिए ट्रैक को पूरी तरह खाली रखने को कहा गया है।

नागरिक ऐसे रखें सावधानी

ट्रैक पर या उसके पास कोई अतिक्रमण न करें।

मवेशियों को ट्रैक की ओर भटकने न दें।

बिना अनुमति के ट्रैक पार करने से बचें। पूरे दिन ट्रैक से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। बीड-वडवणी मार्ग एक अहम पड़ाव की ओर

बीड-वडवणी सेक्शन शुरू करने से पहले यह टेस्टिंग प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण है। सभी ट्रायल सुचारु रूप से पूरे करने के लिए नागरिकों का सहयोग जरूरी है - यह बात पुणे मंडल के जनसंपर्क विभाग ने स्पष्ट की है।

## उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

# दिव्यांगों के पद-निर्धारण के लिए विशेषज्ञ समिति का पुनर्गठन-सचिव तुकाराम मुंढे

## प्रक्रिया के लिए एकसमान एसओपी तय की गई

मुंबई, दिनांक ०३ दिसंबर : दिव्यांग व्यक्तियों को सरकारी एवं अर्ध-सरकारी सेवाओं में नियुक्ति तथा पदोन्नति में ४ प्रतिशत आरक्षण का कानूनी हक प्रभावी ढंग से मिले, इसके लिए पद-निर्धारण (Identification of Posts) की प्रक्रिया हेतु एकसमान कार्यपद्धति (डींरप-वरीव जशिीरींळपस झीलशवींश - डजझ) तैयार की गई है। इस प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विशेषज्ञ समिति का पुनर्गठन किया गया है। इस निर्णय से राज्य के लाखों दिव्यांग उम्मीदवारों को रोजगार और सभी स्तरों पर समान अवसर सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, ऐसा दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे ने बताया।

सचिव तुकाराम मुंढे ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम की प्रभावी अंमलबजावणी के लिए पद-निर्धारण प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। अब सरकारी, अर्ध-सरकारी संस्थाओं, स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं तथा स्वायत्त संस्थाओं और महामंडलों के स्वीकृत पदों का गहन समीक्षा करना और यह पहचानना अनिवार्य होगा कि दिव्यांग व्यक्ति किन-किन पदों पर कुशलतापूर्वक काम कर सकते हैं। इसके लिए हर मंत्रालयीन विभाग में विशेषज्ञों वाली समिति गठित की जाएगी।

हर विभाग की इस समिति में नेत्रहीन-अल्पदृष्टि, श्रवणबाधित, अस्थि-विकलांगता, ऑटिज्म, विशिष्ट अधिगम अक्षमता तथा मानसिक रोग जैसे विभिन्न श्रेणियों के कम-से-कम एक विशेषज्ञ का समावेश होगा। समिति के अध्यक्ष संबंधित विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव होंगे। समिति सहायक तकनीक के विकास, वैश्विक रोजगार मानकों और पदों की जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए विभाग के पदों की योग्यता-परीक्षण करेगी तथा पद-साखळी के सभी स्तरों का विचार करके पद-निर्धारण प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी। यदि दिव्यांगों के लिए अनुपयुक्त पदों को छूट दी जा रही है, तो वह छूट अधिकतम तीन वर्ष के लिए ही वैध रहेगी और उसका पुनरावलोकन अनिवार्य होगा, ऐसा सचिव मुंढे ने बताया।

सचिव मुंढे ने आगे कहा कि हर विभाग को हर साल १ जनवरी को पद-निर्धारण की अद्यतन स्थिति अपने वेबसाइट पर प्रकाशित करना और उसकी प्रति आयुक्त (दिव्यांग कल्याण) तथा दिव्यांग कल्याण विभाग को भेजना अनिवार्य होगा। साथ ही, सीधी भर्ती एवं पदोन्नति करते समय संबंधित भर्ती एजेंसी को हर तीन वर्ष में एक बार पद-निर्धारण की समीक्षा का प्रमाण-पत्र जमा करना आवश्यक होगा। इस संबंध में दिव्यांग कल्याण विभाग ने शासन निर्णय जारी कर दिया है, जो महाराष्ट्र शासन के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

# लिंबागणेश ग्रामपंचायत कार्यालय में चक्रवर्ती महाराजा यशवंतराव होळकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई

## इंग्लैंड के खिलाफ लगातार १८ युद्धों में कभी नहीं हारे चक्रवर्ती महाराज-डॉ.गणेश ढवळे

लिंबागणेश (दि. ०३) : बीड तालुका के लिंबागणेश ग्रामपंचायत कार्यालय में आज दिनांक ३ दिसंबर बुधवार को चक्रवर्ती महाराजा यशवंतराव होळकर की २४९वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र का पूजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच बालासाहेब जाधव ने की। मुख्य रूप से उपस्थित रहे पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजेभाऊ आप्पा गिरे, उपसरपंच बाळकृष्ण थोरात, पूर्व उपसरपंच शंकर वाणी, सुरेश निर्मळ, रामकिसन गिरे, संदीप मुळे, संजय घोलप, संतोष भोसले, शहादेव धलपे, रामदास मुळे, लहू घोलप, अभिजित तागड, केशव गिरे, किरण लगास, महावीर मुळे, बालाजी मुळे, सिताराम थोरात, ग्रामपंचायत कर्मचारी जीवन मुळे, सुखदेव वाणी सहित अनेक मान्यवर ग्रामवासी।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक सेवा सोसायटी के चेयरमैन रविंद्र निर्मळ ने किया तथा आभार प्रदर्शन पत्रकार हरिओम क्षीरसागर ने किया।

इस अवसर पर चक्रवर्ती महाराजा यशवंतराव होळकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. गणेश ढवळे ने कहा कि ब्रिटिश सत्ता को चुनौती देने वाले, ब्रिटिशों के लिए काल बनने वाले और भारत के नेपोलियन के नाम से इतिहास में प्रसिद्ध ये यशवंतराव महाराज भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक चमकते हुए व्यक्तित्व थे।

मात्र १९ वर्ष की आयु में अपने पिता तुकोजीराव होळकर के साथ १० हजार सैनिक लेकर १७९५ में खरदा की लड़ाई में निजाम को परास्त कर उन्होंने वीरता की पहली छाप छोड़ी। इसके बाद उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ लगातार १८ युद्ध लड़े और एक भी युद्ध नहीं हारे, अंग्रेजों को धूल चटाई।

अंग्रेजों को या तो सुलह करो या भागो की स्थिति में लाने वाले और विश्व इतिहास में अपना अलग स्थान बनाने वाले ये एकमात्र अजेय महाराज थे, ऐसे गौरवपूर्ण शब्द डॉ. ढवळे ने कहे।

# नेकनूर ग्राम पंचायत में लगातार तीन महीनों से बैठक नहीं

नेकनूर (रिपोर्टर): ग्राम पंचायत की मासिक बैठकें लगातार तीन महीनों से न होने के कारण ग्राम पंचायत सदस्यों और ग्रामवासियों में भारी नाराजगी व्यक्त की जा रही है। पंचायत राज अधिनियम के अनुसार हर महीने कम से कम एक बैठक आयोजित करना अनिवार्य है, फिर भी स्थानीय प्रशासन द्वारा इस नियम की खुलेआम अवहेलना की जा रही है, ऐसा आरोप ग्राम पंचायत सदस्यों और ग्रामवासियों ने लगाया है।

गाँव में पेयजल आपूर्ति, सड़कों की मरम्मत, स्वच्छता, निर्माण कार्य, विकास कार्य तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित कई निर्णय लंबित पड़े हैं। बैठकें न होने की वजह से महत्वपूर्ण विषय अटके पड़े हैं। कुछ सदस्यों और ग्रामवासियों ने बताया कि पिछले तीन महीनों में एक भी मासिक बैठक नहीं हुई है। ग्राम पंचायत का सारा काम ठप पड़ा है। प्रशासन को तुरंत इस ओर ध्यान देना चाहिए, ऐसी माँग की जा रही है।

इस बीच, कुछ सदस्यों ने इस मामले में तहसीलदार और गट विकास अधिकारी (बीडीओ) को लिखित शिकायत देने की तैयारी शुरू कर दी है, ऐसा पता चला है। नेकनूर ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी दत्ता नागरे बैठकें आयोजित करने में लापरवाही क्यों बरत रहे हैं, यह सवाल उठाया जा रहा है।

ग्राम पंचायत की निष्क्रियता के कारण गाँव के विकास कार्यों पर बुरा असर पड़ रहा है। जल्द से जल्द बैठक बुलाकर लंबित मुद्दों को सुलझाया जाए, ऐसी माँग ग्रामवासियों की ओर से की जा रही है।

खास बात यह है कि नेकनूर ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी दत्ता नागरे ८-१० दिन तक ग्राम पंचायत में आते भी नहीं हैं। वे बीड में रहकर नेकनूर ग्राम पंचायत का प्रशासन चला रहे हैं। दत्ता नागरे मानसिक रूप से बैठक क्यों नहीं ले रहे? वे किसके दबाव में काम कर रहे हैं? नेकनूर में इस समय ऐसी चर्चा जोरों पर है।

# मतदान के बाद अब ईवीएम स्ट्राँगरूम के बाहर भी हंगामा!

## पुलिस के साथ-साथ उम्मीदवारों की निजी चौकसी

जमीर काझी

मुंबई:

नगरपरिषद चुनाव के प्रचार और मतदान के दिन उम्मीदवारों व उनके समर्थकों के बीच मारपीट के बाद अब ईवीएम मशीन रखे गए गोदाम (स्ट्राँगरूम) के बाहर भी उनके बीच झड़पें शुरू हो गईं। बुधवार को राज्य के कई स्थानों पर यह तस्वीर देखने को मिली। मतदान प्रतिशत में बदल और ईवीएम मशीनों से छेड़छाड़ के आरोपों के चलते सांगली, आष्टी और चंद्रपुर में विपक्षी गुटों के बीच हाथापाई हुई। इससे तनाव का माहौल बन गया है और २१ दिसंबर को मतगणना तक इन स्थानों पर गहमा-गहमी बनी रहने की आशंका जताई जा रही है।

मशीन हैक करने के आरोपों के कारण स्ट्राँगरूम के बाहर पुलिस के साथ-साथ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को भी सुरक्षा में तैनात रहने की अनुमति दी गई है। इससे यह साफ हो रहा है कि राज्य और केंद्र में सत्ता में साथ रहने वाले सहयोगी दलों को भी एक-दूसरे पर भरोसा नहीं है।

राज्य की २६४ नगरपरिषदों और नगरपंचायतों के लिए मंगलवार को औसत मतदान हुआ। कई जगहों पर मारपीट, बोगस वोटिंग और आचारसंहिता उल्लंघन के कारण मतदान विवादास्पद रहा। इसी बीच नागपुर हाईकोर्ट खंडपीठ ने ३ दिसंबर को होने वाली मतगणना को सभी नगरपालिका चुनाव पूरा होने के बाद २१ दिसंबर को करने का आदेश दिया। इसलिए ईवीएम मशीनें इतने दिनों तक स्ट्राँगरूम में रखनी पड़ रही हैं।

इस अवधि में मशीनों से छेड़छाड़ की आशंका जताई जा रही है। इसलिए सभी स्ट्राँगरूम के बाहर सीसीटीवी कैमरे और निजी चौकीदार रखने की मांग की जा रही है। नगरपरिषद व नगरपंचायत चुनाव का पहला चरण पूरा हो चुका है। कोर्ट के आदेश से दूसरा चरण २० दिसंबर को होगा और इसके बाद २१ दिसंबर को एक साथ मतगणना होगी। इस तरह अगले सत्रह दिनों तक ईवीएम मशीनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस और सरकारी तंत्र पर रहेगी।

फिर भी मैदान में उतरे उम्मीदवारों ने अपने कार्यकर्ताओं की निजी चौकसी भी लगा रखी है। हर आठ घंटे में दो-दो उम्मीदवार स्ट्राँगरूम के आसपास पहरा देंगे। खास बात यह है कि ज्यादातर जगहों पर महायुती के घटक दल ही एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें एक-दूसरे पर भरोसा नहीं है। हम जीतने के लिए लड़े हैं - यह भावना नगराध्यक्ष पद के उम्मीदवार खुलकर जता रहे हैं। २१ दिसंबर को मतगणना तक सभी ईवीएम मशीनें स्ट्राँगरूम में रखी गई हैं। वहाँ जिला प्रशासन के साथ पुलिस व्यवस्था भी पूरी तरह मुस्तैद है। तीन पालियों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

# गन्ने का भाव घोषित, किसान एकजुटता की जीत-राजेंद्र आमटे

बीड/प्रतिनिधि : माजलगाव से शुरू हुआ गन्ना मूल्य वृद्धि आंदोलन आज पूरे बीड जिले और पूरे मराठवाड़ा में फैल गया है। माजलगाव तालुका के संपूर्ण युवा किसान संघर्ष समिति के युवाओं ने संघर्ष करके पहले २४०० रुपये प्रति टन पहला हप्ता देने की बात करने वाले कारखाना मालिकों को २७७५ रुपये देने के लिए तैयार कर लिया। यह किसानों की एकजुटता की बड़ी जीत है, ऐसा मत शिवसंग्राम किसान आघाड़ी के जिला प्रमुख राजेंद्र आमटे ने व्यक्त किया।

माजलगाव तालुका के गन्ना मूल्य वृद्धि आंदोलन को समर्थन देते हुए बीड जिले के सभी किसान माजलगाव के आंदोलनकारी युवाओं के पीछे मजबूती से खड़े हो गए। बीड तालुका के पिंपळनेर क्षेत्र में बेडकुचीवाडी, सांडरवन, लिंबारुई, कुर्ला, आहेर चिंचोली, रंजेगाव, मुग्गाव, पाटेगाव, पिंपळादेवी, सुर्डी, तांदळवाडी, नांदुर, खामगाव आदि कई गाँवों के किसान इस आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

बढ़ते आंदोलन को देखते हुए कारखाना मालिकों और किसान प्रतिनिधियों के बीच कई बैठकें हुईं। इसके बाद निम्न दरों पर सहमति बनी:

बजरंग सोनवणे की येडेश्वरी शुगर फैक्ट्री : २८०० रुपये पहला हप्ता

सुंदरराव सोळुंके शुगर फैक्ट्री, तेलगाव : २७७५ रुपये

जय महेश शुगर फैक्ट्री : २७७५ रुपये

छत्रपति शुगर फैक्ट्री : २७५० रुपये

अब बीड तालुका के अन्य चीनी मिलों से भी जल्दी अपने भाव घोषित करने की माँग जोर पकड़ रही है।

इस आंदोलन को सफल बनाने में पिंपळनेर क्षेत्र के राजेंद्र आमटे, राजू वीर, मुग्गाव के तुकाराम दुबाले, भागवत (हनुमान) दुबाले, आन्नासाहेब दुबाले, जिजाभाऊ दुबाले; बेडकुचीवाडी के रूपांगत जाधव, अशोक काशीद, माऊली जाधव, गणेश चिंचकर; सांडरवन के पवनराजे दुबाले, राजेंद्र धुरवडे; लिंबारुई के बालासाहेब पैठणे, सुभाषराव नांदे, अमोल दुबाले, बंडू मात्रे; पाटेगाव के गोविंद कदम, वचिष्ट वाघ, विजयराजे कदम, सोमनाथ कदम; पिंपळादेवी के प्रदीपराव घुमरे, सुरेश दादा घुमरे, बालाप्रसाद आवारे, विशाल घुमरे; रंजेगाव के विलासराव आबुज, मुकुंद आबुज, युवराज आबुज, दिलीप आबुज, धनंजय आबुज तथा आहेर चिंचोली, राकटे आदि सभी किसान भाइयों का बहुमूल्य साथ मिला, जिसके कारण यह आंदोलन विजयी रहा।

# आठ महीने पहले हुई शादी के आठ महीने बाद नवविवाहिता ने लगाई फाँसी

केज (रिपोर्टर) : केज तालुक्यातील सातेफळ गावात आठ महीने पहले यानी अप्रैल २०२५ में विवाह हुआ था, उस नवविवाहिता ने खेत में बबूल के पेड़ पर फाँसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

सातेफळ (ता. केज) में १ दिसंबर को प्रतिक्षा उर्फ राणी दीपक (पापा) भांगे (उम्र २५ वर्ष) नामक विवाहिता ने शाम करीब ५ बजे खेत में बबूल के पेड़ पर अपनी ओढ़नी से गळफास (फाँसी) लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सामने आने पर युसुफवडगाव पुलिस ठाणे के पुलिस कॉन्स्टेबल गित्ते तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे।

इसके बाद शव का पंचनामा किया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए शव को अंबाजोगाई स्थित स्वामी रामानंद तीर्थ ग्रामीण अस्पताल भेजा गया। २ दिसंबर को शव विच्छेदन पूरा किया गया। अभी तक इस मामले में आकस्मिक मृत्यु (-ललळवशपींरश्र ऊशरींह) का केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है, यह जानकारी पुलिस उपनिरीक्षक मांजरे ने दी।

बता दें कि प्रतिक्षा उर्फ राणी भांगे का विवाह दीपक (पापा) भांगे के साथ अप्रैल २०२५ में हुआ था। शादी को अभी मात्र आठ महीने ही हुए थे। आत्महत्या के कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस आगे की जाँच कर रही है।

# सर्द मौसम मे अटकलों का बाजार गर्म

## २१ दिसंबर तक कायम भ्रम ।

बीड ( संवाददाता): पूरे महाराष्ट्र की निगाहें टिकी हुईं बीड नगरपालिका चुनाव के लिए कल मतदान हो चुका है। अब सवाल सिर्फ़ एक है, कौन जीतेगा? यह उत्सुकता चरम पर पहुँच गई है। हर पक्ष के कार्यकर्ते अपने-अपने दावे कर रहे हैं, कोई कह रहा है घड़ी चली, कोई तुतारी बजी, कोई कमल खिल गया, तो कोई पतंग ने धागा काट दिया या वंचित ने बचा लिया। कांग्रेस के बारे में भी कहीं-कहीं ज़ोरदार चर्चा सुनाई दे रही है। अब पूरे १७ दिन तक ये गणित चबाया जाएगा, क्योंकि परिणाम २१ दिसंबर को आएगा।

राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील बीड जिला में यहाँ की राजनीति पर सिर्फ़ बीड ही नहीं, बशीरगंज सहित शहर के कई चौक ऐसे हैं जहाँ गली से दिल्ली नहीं, बल्कि अमेरिका, चीन, जापान, पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान तक की राजनीति पर बहस होती है। राजनीतिक रूप से अत्यंत जागरूक इस बीड शहर में कल नगरपालिका चुनाव के लिए मतदान हुआ।

अजित पवार की राष्ट्रवादी, शरद पवार की राष्ट्रवादी, भारतीय जनता पार्टी, चखच्, वंचित बहुजन आघाड़ी और कांग्रेस जैसे दलों ने अध्यक्ष पद के लिए अपने उम्मीदवार उतारे। असली टक्कर दो राष्ट्रवादी गुटों और भाजपा के बीच दिखी। वैसे तो आज ही नतीजे आने थे, लेकिन कोर्ट के आदेश से परिणाम सीधे २१ दिसंबर तक के लिए टल गया। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ नेता-कार्यकर्ताओं का भी मन टूट गया।

फिर भी अब कार्यकर्ता और समर्थक ज़ोर-शोर से दावे कर रहे हैं कि उनकी जीत पक्की है। कौन से इलाक़े में किसे कितने वोट पड़े? किस जाति ने किसे वोट दिया? घड़ी कितनी चली? कमल कितना खिला? तुतारी कितनी ज़ोर से बजी? पतंग ने किसका धागा काटा? वंचित ने किसे बचा लिया? क्रॉस वोटिंग कहाँ-कितनी हुई, किसकी वजह से हुई? इन सारे सवालों पर चाय की टपरी से लेकर चौक-चौराहों तक बहस छिड़ी हुई है।

हर कोई अपने उम्मीदवार को जीता हुआ बता रहा है, लेकिन असली विजेता का नाम २१ दिसंबर को ही पता चलेगा।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com